हृदय और धड़कन

वर्ष-3, अंक-33, सितम्बर 20, 2012

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह	+91-98253 19645
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. दीपेश शाह	+91-90990 27945

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
डॉ. आशुतोष सिंह	+91-82380 01976

वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन

डॉ. सृजल शाह	+91-91377 88088

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666

अवरुद्ध नलियों का इलाज : ऑपरेशन

पहले बताए अनुसार हस्तक्षेपी हृदयरोग विशेषज्ञों को (Interventional Cardiologist) जिसे हम मजाक में 'प्लम्बर और इलेक्ट्रिशियन' कहते हैं। इसी प्रकार हृदय के सर्जन को 'सुथार' (Carpenter) कह सकते हैं, क्योंकि वह बीमार दिल को ठोक पीट कर ठीक करता है। बाय-पास ऑपरेशन यह एक प्रचलित शब्द है, और यह कॉरोनरी आर्टरी बाय-पास ग्राफ्ट (सी.ए.बी.जी.) का संक्षिप्त रूप है। हृदय की धमनी के रोग (सी.ए.डी.) के इलाज के लिए जब जरूरत पड़े तब यह शल्यक्रिया करवा लेनी चाहिए। इस शल्यक्रिया को करने से हृदय में रक्तप्रवाह सुधरता है, छाती का दर्द और घबराहट दूर होती है, थकान कम होती है, दवाओं की जरूरत कम पड़ती है, शारीरिक श्रम के लिए कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होती है और तंदरुस्ती की अनुभूति होती है। अगर सी.ए.बी.जी. शल्यक्रिया नहीं की जाए तो हृदय की धमनियों का अवरोध घातक सिद्ध हो सकता है।

बायपास सर्जरी

अवरोधों को दूर करने का छोटा रास्ता (बायपास)

सौभाग्य से कभी भी पूरी की पूरी धमनी एक साथ अवरुद्ध नहीं होती है। उसके किसी एक भाग में ही अवरोध होता है। अवरोध के आगे की नली अधिकतर खुली होती है। अवरोध जब उलझन भरे होते हैं और एक से ज्यादा धमनियों में फैला हो तो हृदयरोग विशेषज्ञ बायपास करवाने की सलाह देते हैं। इस शल्यक्रिया में रक्त को रुकावट से दूर ले जाने के लिए एक नया रास्ता बनाया जाता है।

सी.ए.बी.जी. आखिर क्या है?

कॉरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट (सी.ए.बी.जी.) एक बड़ी शल्यक्रिया है, जिसमे अपने शरीर के ही दूसरे किसी भाग से धमनी या / और नसें ले कर बिठाई जाती हैं (जिसे 'ग्राफ्ट' कहा जाता है), जिसकी मदद से हृदय के स्नायुओं को रक्त की जरूरी मात्रा पहुंचाई जा सके। हृदय की सतह के ऊपर इन रक्तवाहिनियों को हृदय की धमनी के अवरोध के बाद वाले भाग के साथ जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार रक्त अब इस नये रास्ते से बहने लगता है। इस शल्यक्रिया में काम आने वाली धमनी या नस हाथ, पैर या छाती में से ली जाती है। ऐसी नसों को शरीर में से निकालने पर कोई नुकसान नहीं होता है। बायपास में सामान्यतया पाँव की सेफीनस नस,

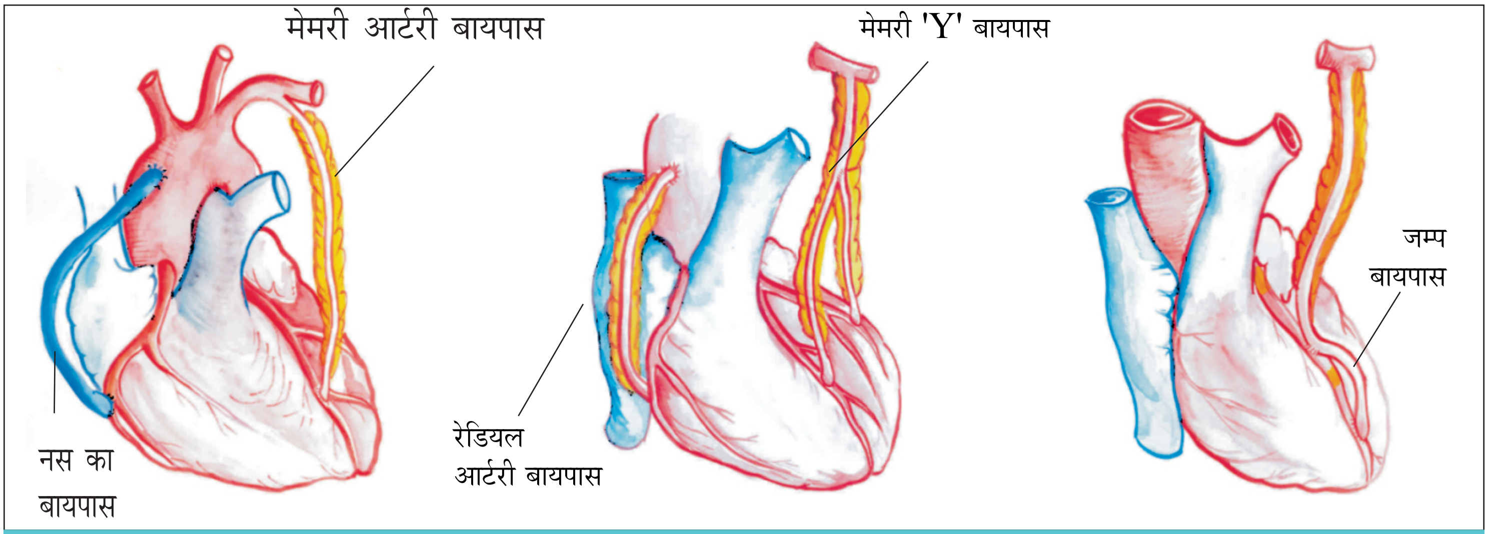

बायपास ऑपरेशन के विभिन्न प्रकार : ग्राफ्ट (धमनियों) को खास जगह पर जोड़ा जाता है।

हाथ की रेडियल धमनी या छाती में से बाँई अथवा दाहिनी इन्टरनल मेमोरी धमनी ली जाती है। ईश्वर का चमत्कार ही है कि बायपास के लिए जो नलियां शरीर से लेकर बायपास किया जाता है उनकी असली जगह को कोई नुकसान नहीं होता है।

क्योंकि रेडियल धमनी हृदयरोग के मरीज में बायपास रक्तवाहिनी की तरह उपयोग में आती है इसलिए विश्वभर में उसे केवल एन्जियोग्राफी के लिए बहुत कम पसंद किया जाता है।

एक दिन मैं ऑफिस में बैठा था और फोन आया 'आपके यहां शान्तिभाई पटेल नाम के कोई मरीज भर्ती है?'
'जी हाँ !'
'उनकी तबियत कैसी है?'
'ठीक है'
'उनको छुट्टी कब देंगे?'
'दो दिन में, आप कोन बोल रहे हैं?'
'मै शांतिभाई पटेल बोल रहा हूं, आपसे यह सब पूछने का समय ही नहीं मिलता इसलिए आपको रूम में से फोन करके पूछ रहा हूं।'

पंप के ऊपर बायपास

हार्ट-लंग मशीन (हृदय और फैंफड़ों की तरह काम करता मशीन) का उपयोग करते हुए बायपास ऑपरेशन किया जाता है। इस साधन से शल्यक्रिया के दौरान हृदय की धड़कनों को बंद करना सम्भव होता है और इसे 'पंप बायपास' कहा जाता है, क्योंकि जब हृदय बंद होता है तब यह हार्ट-लंग मशीन हृदय के बदले अपने शरीर में रक्त को पंप करता है। जब हृदय को इस तरह बंद किया जाता है उस समय सर्जन 'ग्राफ्ट' को हृदय की धमनियों के साथ पक्की तरह से जोड़ देते हैं।

पंप के बिना बायपास

एक अन्य आधुनिकतम तकनीक भी है, जिसमें हार्ट-लंगमशीन का उपयोग नहीं किया जाता। इसमे धड़कते हृदय के साथ ही ऑपरेशन किया जाता है। इससे हार्ट-लंग मशीन से होने वाले नुकसान (Side effects) टाले जा सकते हैं तथा बायपास सुरक्षित व तेज बनता है। पंप के साथ बायपास की तुलना में रोगी जल्दी से ठीक होता है, और बहुत कम मात्रा में रक्त देने की जरूरत पड़ती है। अधिकतर किस्सों में पंप के बिना बायपास करने की सलाह दी जा सकती है।

ऑक्टोपस

सर्जनों के द्वारा उपयोग में आने वाला ऑक्टोपस एक ऐसा यंत्र है जो ग्राफ्ट को जोड़ते समय हृदय के किसी छोटे से भाग को स्थिर रखता है, जिसमें चूसकनलियां (सकर्स) होती हें, जो ऑक्टोपस की तरह हृदय के साथ चिपक जाती हैं और हृदय को नुकसान नहीं होता है। इस शल्यक्रिया के दौरान हृदय धड़कता रहता है, जिससे पंप बिना बायपास शल्यक्रिया को धड़कते हृदय की बायपास सर्जरी (Beating Heart Surgery) भी कहा जाता है।

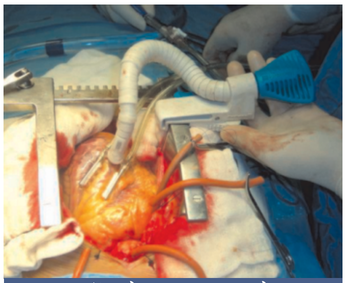

ऑक्टोपस : धड़कते हृदय के कुछ भाग को स्थिर रख ऑपरेशन किया जाता है।

हृदय की शल्यक्रिया के बाद

हृदय की सर्जरी के बाद ठीक होने में कुछ समय लगता है। थोड़ा दर्द व खांसी हो सकती है, पर शल्यक्रिया से होने वाले बड़े फायदे को देखते हुए यह तकलीफों को तो नहीं के बराबर कहा जाता है। हमने देखा कि बायपास शल्यक्रिया किसलिए करनी पड़ती है। अब हम देखेंगे कि इस प्रकार की अतिविशिष्ट शल्यक्रिया के बाद क्या होता है।

बायपास के बाद के विशेष सुधार

बायपास के बाद आई.सी.यु. में रहना पड़ता है

बायपास के बाद रोगी एन्जायना और श्वसन की तकलीफ से मुक्त हो जाता है, और दैनिक क्रियाएं जैसे, चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैरना इत्यादि जैसी शारीरिक क्रियाओं के लिए अधिक क्षमता प्राप्त कर सकता है।

सफल बायपास शल्यक्रिया के बाद में होने वाले ये सुधार इतने रोमांचक होते हैं कि इस प्रकार की शल्यक्रियाओं को आधुनिक शल्यक्रिया के इतिहास में सबसे महान सफलता माना जाता है।

करना या नहीं करना

आम लोगों में हृदय की शल्यक्रिया को अभी भी भयानक, खतरनाक, और जटिल माना जाता है। पर असल में ऐसा नहीं है, वास्तव में यह एक सुरक्षित प्रक्रिया (procedure) है। बहुत कम लोग जानते हैं कि सामान्यतया बायपास में १ से २ प्रतिशत तक ही खतरा है, जो अन्य किसी ऑपरेशन जितना ही या उससे भी कम है।

इसलिए हृदय की धमनी के रोग के साथ जीने के खतरे से अच्छा है बायपास करवा लेना, क्योंकि शल्यक्रिया की सफलता की संभावना ९८ से ९९ प्रतिशत रहती है। अधिक महत्त्वकी बात यह है कि शल्यक्रिया के बाद के फायदे हृदयरोग के हमले के निरंतर खतरे की तुलना में कहीं ज्यादा हैं।

२ - ३ दिनो में रोगी बैठकर बात करता है

ऐसा जीवन तो जैसे माथे पर लगातार लटकती तलवार के साथ जीने जैसा है। बायपास के बादमें अचानक हृदयरोग के हमले की लटकती तलवार का डर दूर होता है।

बायपास - सगे संबंधियों के लिए चिंता का कारण

फायदे : कितनी जल्दी?

जैसे ही ग्राफ्ट जोड़ा जाता है, और हृदय को अधिक रक्त मिलना शुरु होता है, बायपास के फायदे मिलना उसी क्षण से शुरु हो जाते हैं। हृदय को अधिक व शुद्ध रक्त की मात्रा मिलने से वह अधिक जोश के साथ काम करना शुरु करता है,

और इस कारण हृदयरोग के हमले का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है। हृदय के वाल्व के रोगियों को भी शल्यक्रिया के कुछ समय पश्चात् ही फायदे मालूम पड़ने लगते हैं।

अब हम देखेंगे सर्जनों के द्वारा उनके रोगियों के हृदय को नया जीवन दिए जाने के बाद उनके ठीक होने के विभिन्न चरण।

पहला दिन

अधिकतर रोगी शल्यक्रिया के बाद के २ - ३ घंटे में होश में आ जाते हैं। सामान्यतया दर्द कम व सहनीय होता है। रोगी अपने आप आराम से सांस ले सकता है। परन्तु रोगी के अनेक नलियां और लाइनें जुड़ी होती हैं जिससे वो न ज्यादा हिल सकता और न उसे हिलने दिया जाता है।

दूसरा दिन

इस समय तक अधिकतर रोगी अपने आसपास के वातवरण के प्रति पूरी तरह सजग हो चुके होते हैं, और पलंग पर बैठ सकते हैं। सवेरे उन्हें द्रव्य आहार (liquid dite) दिया जाता है। शाम तक उन्हे कुछ हल्की खुराक लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिकतर रोगी समय बिताने के लिए टीवी देखते हैं, पेपर पढ़ते हैं या हल्का संगीत (Light Music) सुनते हैं।

तीसरा दिन

इस समय तक रोगी का रक्तचाप, हृदय की धड़कनें व उसका श्वास सामान्य हो जाता है। छाती में डाली कई नलियों में से आता द्रव्य एकदम कम हो जाता है, और फिर उन नलियों को निकाल दिया

जाता है। इन नलियों के निकाले जाने के बाद रोगी अपने स्वस्थ होते हृदय के साथ अपनी पहली सैर को निकलता है। अगर मरीज की तबियत स्थिर हो तो उसे बाथरूम व लेट्रिन तक स्वयं चलकर जाने दिया जाता है।

चौथे दिन से छुट्टी मिलने तक

इस दिन रोगी को आई. सी. यु. (इन्टेंसिव केयर युनिट) से हटा कर साधारण कमरे में रखा जाता है। अब रोगी इतना स्वस्थ हो चुका होता है वह अपने आप हिल डुल सकता है, थोड़ा घूम फिर सकता है, लैट्रिन तक आ जा सकता है, और खाने के लिए बैठ भी सकता है।

खांसी व शरीर में दर्द ये दो चीजें अगले ३-४ दिन तक परेशान कर सकती हैं, किन्तु छुट्टी मिलने तक तो रोगी भली भांतीचलने लगता है और ३-४ पायदान भी चढ़ और उतर सकता है। अधिकतर रोगियों को शल्यक्रिया के ५-७ दिन के बाद छुट्टी मिल जाती है।

छुट्टी मिलने के बाद

घर जाने के बाद धीरे - धीरे रोगियों को उनके एन्जायना के दर्द से छुटकारा मिलने का एहसास होता है। उनको थोड़ी कमजोरी जरूर महसूस होती होगी, पर सामान्यरूप से वे हर तरह से स्वस्थता महसूस करते हैं।

बायपास के बाद धीरे - धीरे काम की शुरुआत

आने वाले दिनो, सप्ताह, व महिनों में दर्द धीरे - धीरे कम होता है और खांसी बंद हो जाती है। छाती, हाथ व पैर के उपर शल्यक्रिया को घाव शल्यक्रिया के तीन से चार सप्ताह में कम होने लगते हैं।

कुछ झिझक

बहुत से रोगियों को यह सोचते है, कि क्या वो शल्यक्रिया के पहले वाली स्वस्थता पा लेंगे, और क्या पहले की तरह अपने काम को संभाल पाएंगे या नहीं। इसका जवाब स्वाभविक है... हां। वास्तव में अधिकतर रोगी ये सारे काम उनकी शल्यक्रिया से पहले कर सकते थे उससे बेहतर रूप से कर सकते हैं, और इसलिए तो उन पर बायपास किया गया था।

दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है

यह कहने की जरूरत नहीं है कि बायपास कराने के बाद व्यक्ति को अब अधिक सावधान रहना चाहिए। हृदय जल्दी से सामान्य हो जाए और भविष्य में कोई हृदयरोग हो इसके लिए अपनी जीवन शैली में परिवर्तन बहुत आवश्यक है। बायपास के सभी रोगियों को यह याद रखना चाहिए कि यदि वे अपनी नई बायपास की गई धमनियों को खुली रखने का प्रयत्न नहीं करेंगे तो कुछ वर्षो के बाद यह नई धमनियां भी अवरुद्ध हो सकती हैं।

आदमी कितना स्वस्थ हो सकता है?

इसका आधार, शल्यक्रिया के समय हृदय और रक्तवाहिनियों की स्थिति क्या थी, उस पर रहता है। अधिकतर रोगी दिन में ४५ मिनट से १ घंटे तक चलने जैसी हल्की कसरत कर सकते हैं, और करनी भी चाहिए। तैरने जैसी हल्की कसरतें भी कर लेनी चाहिए। बायपास ऑपरेशन होने के तीन से चार सप्ताह के बाद जातीय सम्बंध पूर्ववत बांधे जा सकते हैं।

बायपास के बाद नई जिंदगी ... आशा की नई किरणें

समाज में जो भी सेवाएं उपलब्ध हैं उसके दो मुख्य प्रकार हैं। पहले प्रकार में किसी से मिलने का समय (Appointment) लेकर जाना पड़ता है।

दूसरे प्रकार की सेवाओं के लिए एपोइन्टमेन्ट नहीं मिलता है, पर लाइन में खड़ा रहना पड़ता है।

समाज में एक तीसरे प्रकार की सेवा और है जिसमें एपोइन्टमेन्ट लिया हो फिर भी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। ये सेवा, मतलब डॉक्टर के क्लिनिक की मुलाकात !

व्यवसाय या कामकाज कब शुरु किया जा सकता है

शल्यक्रिया के एक सप्ताह बाद में काम शुरु करने में कोई परेशानी नहीं है। फिर भी व्यक्ति को अपने काम करने के समय में नियमितता लानी चाहिए।

आहार, आदतें और वजन

बायपास वाले रोगी का आहार पौष्टिक रहना चाहिए। खुराक के बारे में सलाह लेकर उसका नियमित रूप से पालन करना बहुत जरूरी है। अधिक कोलेस्ट्राल व अधिक चरबी वाली खुराक से दूर रहना चाहिए। उसका सर्वश्रेष्ठ उपाय है, भोजन में अधिकतम हरी सब्जी, फल व फलों का रस दिया जाना चाहिए।

तम्बाकू से खतरों की चर्चा अन्तिम प्रकरण में की गई है। कई लोगों में मान्यता होती है कि शल्यक्रिया के बाद शराब के सेवन से मदद मिलती है। किसी भी अनुसंधान से ऐसा कुछ साबित नहीं हुआ है। जिनका बायपास हो चुका हो ऐसे सब रोगियों को अपने वजन को नियंत्रण में रखना चाहिए।

डाक्टरी सलाह

शल्यक्रिया के बाद पहले और तीसरे महिने में डाक्टरी जांच के लिए जाने की सलाह दी जाती है। स्ट्रेस टेस्ट (टी.एम.टी.) और इकोकार्डियोग्राम की जांच की जाती है। उसके बाद साल में एक बार 'लिपिड प्रोफाईल' (कोलेस्ट्रोल वगैरह), टी.एम.टी. और इको करवा लेना चाहिए।

आजीवन दवाएं

एस्पिरिन जैसी कई दवाएं बायपास के बाद आजीवन लेनी पड़ती हैं। एस्पिरिन के कारण कई बार रोगी के पेट में जलन होती है, फिर भी यह ध्यान से लेनी चाहिए। इन परिस्थितियों में एसिडिटी की दवा भी साथ में लेनी पड़ती है। सम्भवतया खाना खाने के बाद एस्पिरिन लेने से उससे होने वाली जलन टाली जा सकती है। 'स्टेटिन्स' और कोलेस्ट्रोल कम करने की खास दवा किसी फिजिशियन या हृदयरोग विशेषज्ञ की देखरेख में ली जानी चाहिए।

हमारे एक प्रोफेसर कम, पर बहुत मजाकिया बातें करते थे। एक बार कुछ पत्रकार उनसे सवाल पूछ रहे थे। 'डॉक्टर साहब, इतने वर्षों में आपके हाथ से कोई भूल हुई है?' एक पत्रकार ने पूछा। 'हां ....हां.... बहुत साल पहले मैने एक अमीर आदमी को केवल चार विजिट में ही ठीक कर दिया था !'

डायबिटीज व हाई ब्लडप्रेशर

यह पुराने, और चुपचाप खत्म करने वाले रोगों को तो जीवन भर काबू में रखना चाहिए ! यह याद रखें कि बायपास से डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेशर खत्म नहीं होता। संक्षिप्त में, हृदय की बड़ी शल्यक्रिया के बाद रोगी की यथायोग्य देखभाल सबसे महत्त्वपूर्ण है।

सौजन्य 'हृदय की बात दिल से' - लेखक - डॉ. केयूर परीख
डॉ. धीरेन शाह, डॉ. धवल नायक और डॉ. दीपेश शाह

CIMS® Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पताल के कार्डियोलोजिस्ट ओर जोइन्ट रिप्लेशमेन्ट सर्जन अब से परामर्श सर्विस जोधपुर में देंगे।

हर महिने के पहेले शनिवार

कार्डियोलोजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता (मो) +91-99250 45780
एमडी, डीएम कार्डियोलोजि (सीएमसी वेलोर)
फ़ेलोशीप इन इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजि (फ्रान्स)
स्पेशियालिस्ट इन रेडियल इन्टरवेन्शन्स

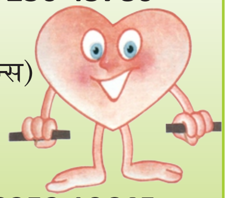

डॉ. जोयल शाह (मो) +91-98253 19645
एमडी (मेडिसीन), डीएनबी (कार्डियोलोजि)
डिप्लोमेट ओफ़ नेशनल बोर्ड
कन्सलटन्ट ओर इन्टरवेन्शनालिस्ट कार्डियोलोजिस्ट

डॉ. कश्यप शेठ (मो) +91-99246 12288
एमडी, डीएनबी, एफ़एनबी,
पिडियाट्रीक कार्डियोलोजिस्ट & इन्टरवेन्शनालिस्ट

जोइन्ट रिप्लेशमेन्ट

डॉ. अमीर संघवी (मो) +91-98250 66013
फेलोशीप इन जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट, ओस्ट्रेलीया, युके और युएसए

डॉ. अतीत शर्मा (मो) +91-98240 61766
फेलोशीप इन जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट,
बेल्जियम, सींगापोर, जर्मनी और युएसए

स्थान : वसुंधरा अस्पताल,११/११ चोपासनी हाउसींग बोर्ड, जोधपुर

अपोइन्टमेन्ट के लिए, संपर्क : +91-95744 45559

केन्सर सर्जरी
सीम्स हॉस्पिटल मे

केन्सरके निदान और उपचार के लिए प्रतिबध्द टीम

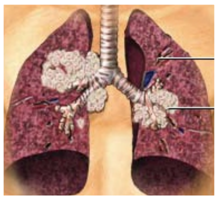

Breast • Colorectal • Gynaecology • Head & Neck • Melanoma • Lung
Lymphoma • Pancreatic and Hepatobiliary • Urology • Upper GI (Gastrointestinal)

Cancer surgeries like Hemiglossectomy, Whipple's, MRND, MRM, CA Cervix, Commando, Radical Cholecystectomy, Radical Nephrectomy, CA Pancreatic, CA Prostate, Thyroidectomy and many others

एक आसान परीक्षण जिसके द्वारा हृदय के रोग के लक्षणों का पता लगता है

सीटी कोरोनरी केल्शियम स्कोरींग

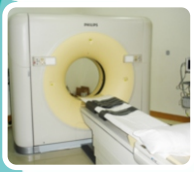

सीटी कोरोनरी केल्शियम स्कैन से कोरोनरी धमनीयां, वाहिकाओं जो कि हृदय को ओक्सिजन वाले रक्त की आपूर्ति कराती है उनमें जमे हुए या उपस्थिति केल्सीफाईड पट्टी का पता लगाने का नोन-ईन्वेझीव तरीका है ।

सीटी कोरोनरी केल्शियम स्कोरिंग आपको निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण जानकारी देंगे –

1. आपके हृदय कोरोनरी धमनियों में केल्शियम की उपस्थिति या अभाव ।
2. आपके कोरोनरी धमनियों में केल्शियम की मात्रा ।
3. भविष्यमें दिल के दौरे की संभावना ।

स्केन समय 30 सेकन्ड से भी कम समय में

सीम्स की मुलाकात ले और सीटी केल्सियम स्कोरींग करवाए

सीर्फ ₹ 2800/-

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661

Now EMI* from ₹1,000/- for PACEMAKER

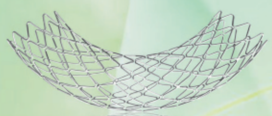

EMI* from ₹ 600/- for STENTS

SALIENT FEATURES

- 0% interest scheme for short term EMI
- Low rate of interest for long term EMI
- Quick disbursement of loans
- Minimum paper work
- No prepayment charge

For more information call
HEALTHY HEART HELPLINE **1800 209 5123**

* For a basic model pacemaker & stent for 7 year period.

HEALTHY HEART for all
GUIDING YOU TO EFFECTIVE CARDIAC CARE
Medtronic

स्केन समय 30 सेकन्ड से भी कम समय में

सीम्स कार्डियाक सर्जरी केयर

हृदय की शस्त्रक्रिया में भारत में ख्यातनाम टीमोमें से एक

- १०००० से भी ज्यादा ओपन हार्ट सर्जरी का अनुभव - नियमित कार्डियाक सर्जरीमें मीनीमली इन्वेझीव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) का उपयोग, हाइ रीस्क ओपन हार्ट सर्जरी, हार्ट फेल्योर सर्जरी, माइट्रल वाल्व रीपेर
- बच्चो की हृदयकी सर्जरी के साथ अत्याधुनिक टेकनोलोजी का उपयोग जैसे की सतत इको इवेल्युअेशन हार्ट सर्जरी के दौरान
- अत्याधुनिक ऑपरेशन थीयेटर्स और आइसीयु

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

जोडो को बदलने की सर्जरी अब सीम्स में

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पतालमें उपलब्ध सेवाए :

- नी का रीप्लेसमेन्ट
- हीप रीप्लेसमेन्ट
- कंधे और कोहनी का प्रतिस्थापन
- आर्थरोस्कोपीक सर्जरी
- एमआरआइ द्वारा दर्दी संबंधित नी सीस्टम ओक्सीनम नी जोइन्ट (युएस एफडीए द्वारा मान्य) का उपयोग

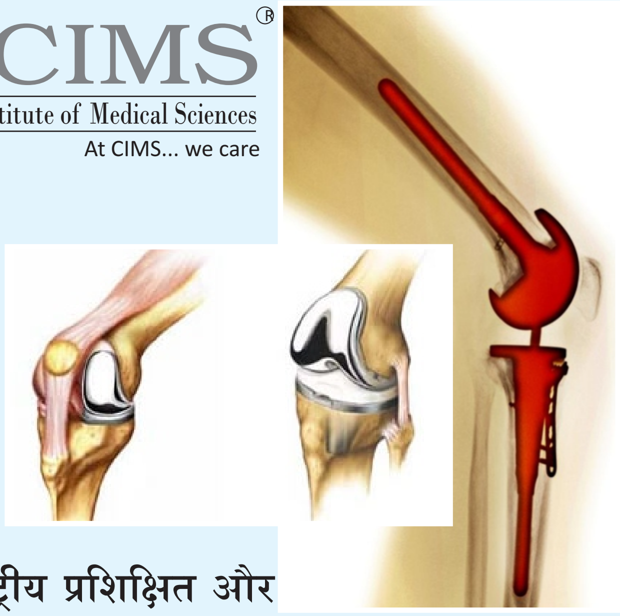

अपने जॉइन्ट का रीप्लेसमेन्ट सीम्स के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षित और अनुभवी जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट सर्जन द्वारा करवाये ।

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 27th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

केर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज **सीम्स अस्पताल**

प्रिमियर मल्टी-सुपर स्पेशियालीटी **ग्रीन** अस्पताल

अनेक सेवाए एक छत के नीचे

Green Hospital

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
(मो) +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cims.me
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।